RKDF UNIVERSITY RANCHI

BACHELOR OF ARTS IN HINDI

SYLLABUS

BA HINDI

NEP 2020

SEMESTER – I

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER - I

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ01HIN	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)**	4

प्रस्तावित संरचना

इकाई 1

हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य इतिहास में काल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई 2

आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियां, सिद्ध साहित्य ,नाथ साहित्य, रासो काव्य परंपरा, पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता ,प्रमुख रचनाकार -विद्यापति, अमीर खुसरो।

इकाई 3

भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, भक्ति काव्य की प्रवृत्तियां, संत काव्य परंपरा, सूफी काव्य परंपरा, कृष्ण काव्य परंपरा ,राम काव्य परंपरा।

प्रमुख कवि- कबीर दास जायसी ,सूरदास तुलसीदास, मीरा।

अनुशंसित पुस्तकें-:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ नगेंद्र (सं)
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपति चंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. पृथ्वीराज रासो की भाषा -डॉ नामवर सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. जायसी- विजयदेव नारायण साही

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER - II

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ02HIN	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)	4

प्रस्तावित संरचना

इकाई 1

रीतिकाल का नामकरण और काल सीमा, रीतिकालीन परिस्थितियां , रीतिकाल की प्रवृतियां, रीतिकालीन काव्य धाराएं ,रीतिकाल के कवि, चिंतामणि, मतिराम, बिहारी, घनानंद पद्माकर भूषण का परिचय ।

इकाई 2

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, हिंदी गद्य का विकास, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग।

ईकाई -3

आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां ,भारतेंदु युग , द्विवेदी छायावाद युग।

निर्धारित कवि और कविताएं

1. भारतेंदु- गंगा वर्णन।
2. मैथिलीशरण गुप्त- मातृभूमि।
3. जयशंकर प्रसाद -हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, बीती विभावरी जाग री।
4. निराला -भिक्षुक, भारती वंदना।
5. पंत-- प्रथम रश्मि ,नौका विहार, ताज।
6. महादेवी वर्मा -मैं नीर भरी दुख की बदली, मधुर मधुर मेरे दीपक जल।

अनुशंसित पुस्तकें

1. काव्य कुसुम (सं) डॉक्टर हीरा नंदन प्रसाद ,डॉ जितेंद्र कुमार सिंह ,डॉ सुनीता कुमारी गुप्ता।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-- सं डॉ नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ गणपति चंद्रगुप्त
6. स्वर्णमंजूषा-- नलिन विलोचन शर्मा केसरी कुमार (सं)
7. बिहारी बोधनी --लाला भगवानदीन
8. हिंदी रितिकाव्य-डॉ भगीरथ मिश्र

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER - II

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ03HIN	हिंदी साहित्य छायावादोत्तर हिंदी कविता प्रस्तावित संरचना	4

इकाई 1

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद ,नई कविता का उद्भव और विकास, एवं प्रवृत्तियां।

ईकाई 2

निर्धारित कवि एवं कविताएं:

रामधारी सिंह दिनकर--वन फूलों की ओर ,किसको नमन करूं मैं? सिंहासन खाली करो कि जनता आती है, हिमालय।

नागार्जुन--प्रेत का बयान ,यह दंतुरित मुसकान, बहुत दिनों के बाद ,सिंदूर तिलकित भाल.।

अज्ञेय--- यह दीप अकेला, एक सन्नाटा बुनता हूं ,नदी के द्वीप ,सूनी -सी सांझ एक।

धूमिल--लोहे का स्वाद, रोटी और संसद, प्रौढ़ शिक्षा, मोची राम।

राजेश जोशी--इत्यादि, मारे जाएंगे ,बच्चे काम पर जा रहे हैं ,अतिरिक्त चीजों के माया।

अनुशंसित पुस्तकें:--

1. काव्य कल्पतरू (सं)--डॉ चंद्रिका ठाकुर, डॉक्टर कुमुद कला मेहता, डॉ नियति कल्प
2. दिनकर की साहित्य साधना-डॉक्टर सतीश कुमार राय (सं)
3. अज्ञेय का संसार-डा अशोक वाजपेयी
4. कवि अज्ञेय- डॉ नंदकिशोर नवल
5. आधुनिक हिंदी कविता- डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER III

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ04HIN	हिंदी कहानी एवं हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास।	4

ईकाई 1

हिंदी कहानी एवं हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास।

इकाई - 2

निर्धारित उपन्यास:

कितने पाकिस्तान- कमलेश्वर

मानस का हंस- अमृतलाल नागर

निर्धारित कहानियां

1. दुनिया का अनमोल रतन- प्रेमचंद
2. परिंदे- निर्मल वर्मा
3. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. कोसी का घटवार - शेखर जोशी
5. चीफ की दावत -भीष्म साहनी
6. तीसरी कसम -फणीश्वर नाथ रेणु
7. शरणदाता -अज्ञेय
8. दिल्ली में एक मौत- कमलेश्वर

अनुशंसित पुस्तकें:

1. कथा कौमुदी (सं) डॉक्टर चंद्रिका ठाकुर ,डॉक्टर कुमुद कला मेहता,डॉ नियति कल्प
2. हिंदी कहानी का इतिहास -डॉ गोपाल राय
3. हिंदी कहानी का इतिहास- डॉ मधुरेश
4. हिंदी कहानी के सौ वर्ष- डॉ दीनानाथ शर्मा

5. हिंदी गद्य विन्यास और विकास -रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. उपन्यास का शिल्प,- डॉ गोपाल राय
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी- डॉ हीरा नंदन प्रसाद

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER III

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ05HIN	हिंदी नाट्य साहित्य एवं अन्य विधाएं ।	4

इकाई 1

स्कंद गुप्त -जयशंकर प्रसाद

भारत-दूर्दशा -भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई 2

कविता क्या है ?-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

नाखून क्यों बढ़ते हैं?- हजारी प्रसाद द्विवेदी

सच्ची वीरता - सरदार पूर्ण सिंह ।

मेरे राम का मुकुट भींग रहा है-विद्यानिवास मिश्र

गेहूं और गुलाब -रामवृक्ष बेनीपुरी

संस्कृति और सौंदर्य -नामवर सिंह

तुम कब जाओगे अतिथि- शरद जोशी

बेचारा वाला आदमी- हरिशंकर परसाई।

अनुशंसित पुस्तकें

- हिंदी नाटक :उद्भव और विकास दशरथ ओझा
- प्रसाद और उनके नाटक प्रो. केसरी कुमार
- हिंदी नाटक के सौ वर्ष- बालेन्दु तिवारी (सं)
- भारत दुर्दशा: संवेदना और शिल्प -डॉ सिद्धनाथ कुमार
- प्रसाद के नाटक डॉ सिद्ध नाथ कुमार
- हिंदी नाटक: कल और आज- केदार सिंह
- चिंतामणि- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- साहित्यिक निबंध- गणपति चंद्रगुप्त

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER - IV

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ06HIN	भाषा विज्ञान	4

इकाई 1

भाषा और भाषा विज्ञान भाषा: परिभाषा और प्रवृत्ति

भाषा: व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा: संरचना और भाषिक प्रकार्य

भाषा विज्ञान: परिभाषा स्वरूप एवं व्याप्ति

भाषा विज्ञान :अध्ययन की दिशाएं (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक तुलनात्मक)

ईकाई 2

स्वन विज्ञान

स्वन विज्ञान :स्वरूप और शाखाएं वाग्यंत्र और ध्वनि उत्पादन प्रक्रिया ।स्वन: अवधारणा और वर्गीकरण,

स्वनिम: परिभाषा उदाहरण और भेद

स्वन गुण और उसकी सार्थकता ,स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं।

इकाई 3

रूप और वाक्य

रूपिम की अवधारणा और

भेद:(मुक्त आबद्ध, अर्थ दर्शी, संबंध दर्शी रूपिम)

संबंध दर्शी रूपिम के भेद और प्रकाय

वाक्य की अवधारणा और भाषा के इकाई के रूप में वाक्य,अभिहितन्यवाद और अनिवताभिधानवाद, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, वाक्य के गहन संरचना

इकाई 4

अर्थ विज्ञान

अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं,

एकार्थकता, अनेकार्थकता विलोम।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

ईकाई 5

भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता, भाषा विज्ञान और व्याकरण संबंध।

अनुशंसित पुस्तकें

1. भाषा विज्ञान और हिंदी- डॉ सरयू प्रसाद अग्रवाल
2. भाषा विज्ञान- श्री नलिनी मोहन सन्याल
3. भाषा -भाषिकी - डॉ देवी शंकर द्विवेदी
4. भाषा विज्ञान- डॉ भोलानाथ तिवारी
5. आधुनिक भाषाविज्ञान -डॉ राजमणि शर्मा
6. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं -डॉ बलराम तिवारी

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER IV

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ07HIN	**हिंदी भाषा और नागरी लिपि**	4

इकाई 1

हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय आर्य भाषाएं, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाए, वैदिक तथा लौकिक संस्कृत परिचय, मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएं -पाली प्राकृत तथा अपभ्रंश परिचय , आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं परिचय आधुनिक भारतीय आर्य वर्गीकरण - हॉर्नले और ग्रियर्सन के वर्गीकरण।

ईकाई 2 हिंदी और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिंदी स्वरूप और संबंध हिंदी की उपभाषाएं: पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियां, पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियां राजस्थानी और उनकी बोलियां पहाड़ी और उनकी बोलियां काव्य भाषा के रूप में अवधि का उद्भव और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रज का उद्भव और विकास साहित्यक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव और विकास, मानक हिंदी का रूप गत विवेचन।

ईकाई 3

हिंदी का भाषिक स्वरूप

हिंदी की स्वणिम व्यवस्था खंडय -खंडेयतर

हिंदी शब्द संरचना उपसर्ग प्रत्यय समस्त पद

लिंग, वचन, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ से हिंदी, हिंदी वाक्य रचना: सार्थकता, पदक्रम, अ न्वति।

ईकाई 4। नागरी लिपि

नागरी लिपि नामकरण और विकास, नागरी लिपि का मानकीकरण, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

अनुशंसित पुस्तकें

1. हिंदी भाषा का विकास- डॉ गोपाल राय
2. हिंदी भाषा नुशासन- डॉ रामदेव त्रिपाठी
3. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि -डा देवेंद्र प्रसाद सिंह
4. हिंदी विकास उद्भव और रूप- डॉ हरदेव बाहरी
5. हिंदी भाषा का विकास- डॉक्टर धीरेंद्र वर्मा
6. हिंदी भाषा और नागरी लिपि- देवेंद्र नाथ शर्मा

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESER VI

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ08HIN	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4

ईकाई 1

प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा एवं संभावनाएं, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न दिशाएं, प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रासंगिकता, प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्या एवं समाधान, प्रयोजनमूलक हिंदी और साहित्यिक हिंदी में अंतर।

ईकाई 2

प्रशासनिक हिंदी ,व्यवसायिक हिंदी, तकनीकी हिंदी ,हिंदी की संवैधानिक स्थिति, जनसंचार माध्यमों के हिंदी।

अनुशंसित पुस्तकें

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरेज
2. प्रयोजन मुलक हिंदी -डॉ बालेन्दु शेखर तिवारी प्रयोजन मुलक हिंदी -डॉ रविंद्र नाथ श्रीवास्तव
3. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य -डॉ रमेश चंद्र त्रिपाठी
4. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी -डॉ कैलाश चंद्र भाटिया।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER – V

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ09HIN	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	4

ईकाई 1

भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ तक)

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई 2

रस :स्वरूप और लक्षण रस के अंग तथा रस के भेद।

शब्द शक्तियां

गुण एवं दोष :लक्षणा और भेद।

इकाई 3

अलंकार लक्षण और भेद शब्दानुप्रास: अनुप्रास ,यमक, श्लेश ,वक्रोक्ति।

अर्थानुप्रास : उपमा, रूपक,अपह्नुति, उत्प्रेरक वसा अतिशयोक्ति , व्यतिरेक विरोधाभास विभावना ,विशेषोक्ति, अत्युक्ति।

7 छंद: (क) संमवरणिक - भुजंगप्रयात द्रुत विलंबित शिखरिणी शार्दुल विक्रीडित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी।

(ख) सम मात्रिक-उल्लाला, चौपाई ,रोला ,हरिगीतिका।

अर्ध सम मात्रिक-बरवै, दोहा, सोरठा।

विषम सम मात्रिक-कुंडलिया छप्पय।

ईकाई 4

काव्य रूप: दृश्य काव्य (रूपक) एवं उपरूपक, श्रव्य काव्य ,गद्य, चंपू, प्रबंध एवं मुक्तक।

ईकाई 5

प्लेटो के काव्य सिद्धांत

अरस्तु :अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत।

लोंजाइनस : उदात सिद्धांत

कालरिज :कल्पना सिद्धांत

इलियट की अवधारणाएं।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

इकाई 5

आलोचना परिभाषा स्वरूप और विशेषताएं आलोचना के प्रकार सैद्धांतिक, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी।

अनुशंसित पुस्तकें

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डा कृष्ण देव शर्मा
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ गणपति चंद्रगुप्त।
3. साहित्य सहचर -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. काव्य के तत्व -आचार्य देवेंद्र नाथ शर्मा।
5. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका -डॉ नगेंद्र।
6. पाश्चात्य साहित्य चिंतन -डॉ निर्मला जैन।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER V

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ10HIN	**भक्ति कालीन काव्य**	4

इकाई 1

निर्गुण काव्य धारा के प्रमुख कवि- (कबीर दास, रैदास, जायसी)

इकाई 2

सगुन काव्य धारा के प्रमुख कवि :(तुलसीदास, सूरदास ,मीराबाई)

इकाई 3

तुलसीदास (रामचरितमानस अयोध्या कांड)

सूरदास (भ्रमरगीत सार ,पद संख्या-1,6,8,13,20,23,24,,25,33,34,37,42,52,57,64)

अनुशंसित पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ नगेन्द्र
3. गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. लोकवाणी तुलसी -डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी
5. भ्रमरगीत सार -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. सूर साहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. रामचरितमानस -गीता प्रेस गोरखपुर

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER V

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ11HIN	**अनुवाद विज्ञान**	4

इकाई 1

अनुवाद की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद की प्रासंगिकता, अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान।

ईकाई 2

अच्छे अनुवादक के गुण, अनुवादक के प्रकार, रचनात्मक साहित्य का अनुवाद ,तकनीकी अनुवाद।

ईकाई 3

अनुवाद चिंतन की परंपरा, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण, परिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएं।

अनुशंसित पुस्तकें

1. अनुवाद विज्ञान- डॉ भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग -डॉ
3. वासुदेव नंदन प्रसाद
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- डॉक्टर सुरेश कुमार
5. अनुवाद सिद्धांत और समस्या- डॉक्टर रविंद्र नाथ श्रीवास्तव
6. अनुवाद प्रविधि -सूर्य प्रकाश दीक्षित ,डॉक्टर सत्यदेव मिश्रा
7. अनुवाद कला- डॉ विश्वनाथ अय्यर
8. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण- डॉक्टर हरिमोहन

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VI

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ12HIN	**हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास**	4

ईकाई 1

हिंदी भाषा के विकास के पूर्वपीठिका

भारोपीय भाषा परिवार एवं अर्थ भाषाएं (संस्कृत ,पालि, प्राकृत ,अपभ्रंश आदि)

हिंदी का आरंभिक रूप,

हिंदी शब्द का अर्थ एवं प्रयोग,

हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

इकाई 2

हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

हिंदी भाषा: क्षेत्र एवं बोलियां

हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा ,संचार भाषा)

हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप,

हिंदी का अंतरराष्ट्रीय संदर्भ।

ईकाई 3

लिपि का इतिहास

भाषा और लिपि का अंत: संबंध

परिभाषा ,स्वरूप एवं आवश्यकता

लिपि के आरंभिक रूप (चित्र लिपि, भाव लिपि, ध्वनि लिपि)

भारत में लिपि का विकास

इकाई 4

देवनागरी लिपि

देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास

देवनागरी लिपि का मानकीकरण,

आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं,

देवनागरी लिपि और कंप्यूटर।

सहायक ग्रंथ

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

हिंदी भाषा का इतिहास: धीरेंद्र वर्मा

भारतीय पुरा लिपि डॉ रामबली पांडे (लोकभारती प्रकाशन)

हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : उदय नारायण तिवारी

हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक -डॉ हनुमान प्रसाद शुक्ल

लिपि की कहानी :गुणाकर मुले

भाषा और समाज: रामविलास शर्मा

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VI

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ13HIN	हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्ति कालीन काव्य)	4

इकाई 1

(क) अमीर खुसरो - (व्यक्तित्वऔर कृतित्व)

डॉ परमानंद पांचाल

कव्वाली-घ (1)

गीत - ड (4) (13)

दोहे- च (पृष्ठ 86);5 दोहे

(1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा चकवी (5) सेज सुनी

(ख) विद्यापति-विद्यापति की पदावली संपादक आचार्य श्री राम लोचन शरण

वंदना -1 राधा की वंदना

श्री कृष्ण का प्रेम-35(प्रेम प्रसंग)

राधा का प्रेम-36

इकाई 2

(क) कबीर दास-

कबीर ग्रंथावली, संपा डॉ माता प्रसाद गुप्त (लोकभारती प्रकाशन; प्रथम संस्करण; फरवरी ,1969)

सांच कौ अंग (साखी 2, 16)

धर्म विद्यौसन कौन अंग (1, 10)

भेष कौ अंग (2,12)

सर ग्राही कौ अंग (3,4)

संग्रथाई कौ अंग(9)

पद संख्या 64 -काहे री नलिनी.....

पद संख्या 66- अब का करूं

(ख)मंझन- मंझन कृत 'मधुमालती' ;संपा. माता प्रसाद गुप्त

नख शिख वर्णन

1. केश वर्णन (79)

2. नाशिका वर्णन (83)

3. अधर वर्णन (87)

4.अतिसरूप.....(94)

5.त्रिबली वर्णन (97)

ईकाई 3 (क)

सूरदास: सूरसागर सार: धीरेंद्र वर्मा; (साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड जीरो रोड, इलाहाबाद -211003 ;अष्टम संस्करण सन 1990)

पद संख्या-25(मेरो मन अनंत-----) विनय तथा भक्ति

7(जसोदा हरि पालने----) गोकुल लीला

18 (शोभित कर---) गोकुल लीला

141(उधो मन माने----) उद्धव संदेश

1 (खेलत हरि निकसे---) राधा कृष्ण

158(अति मलिन---) उद्धव संदेश

(ख) मीराबाई की पदावली (संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन ;प्रयाग बाइसवा संस्करण 2008 ई.)

पद संख्या-5(तनक हरि चितवां.....)

14(आली री म्हारे.....)

19 (माई री सांवरे रंग रांची)

22 (माई री म्हा नियां.....)

36(पग बांधा घूघरयां.....)

70(हेरी म्हा तो दर्द दिवांणी....)

इकाई 4

गोस्वामी तुलसीदास (श्री रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर; संस्करण 2052; 74वां संस्करण)

(दोहा संख्या 26 से दोहा संख्या 31 तक)

पूंछ बुझाई खोई श्रम..... भुजबल खल दल जीति।।

विनय पत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर ;संस्करण संख्या 2055) पद संख्या 105, 111, 162

कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण संख्या 2052 36वां संस्करण)

-

बालकांड छंद संख्या- 1

अयोध्या कांड -छंद संख्या 22

-उत्तरकांड -छंद संख्या 96, 106

सहायक ग्रंथ

कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी

सूरदास -रामचंद्र शुक्ल

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडे

गोस्वामी तुलसीदास -रामचंद्र शुक्ल

कबीर की विचारधारा- गोविंद त्रिगुणायत

सुर और उनका साहित्य- हरबंस लाल शर्मा

मीरा का काव्य -डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VI

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ14HIN	हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)	4

इकाई 1

1 केशवदास-कवि प्रिया (प्रिया प्रकाश लाला भगवानदीन)

छंद संख्या- तीसरा प्रभाव (1,2,4,5)

पांचवां प्रभाव (1,10)

छठा प्रभाव (56,66,69)

2 रहीम (अब्दुल रहीम खानखाना)-रहीम ग्रंथावली, संपादक विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश

दोहावली छंद संख्या -

38, 49 87,126,130,166,167,175,180,212,220,222

ईकाई 2

3. बिहारी -बिहारी रत्नाकर: प्रणेता श्री जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' शिवाला, वाराणसी

छंद संख्या 1,62,103,127,128,143,180,347,363,388

ईकाई 3

4. घनानंद-- घनानंद (ग्रंथावली); संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ;वाणी वितान; बनारस -1

सुजान हित (1,4,7,18,38,41,49,54)

इकाई 4 (क)

5. भूषण- शिव भूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या--50,104,411,420,443,512,515

इकाई 4 (ख)

6. गिरिधर कविराय- गिरिधर कविराय ग्रंथावली संपा. डॉ किशोरी लाल गुप्त छंद संख्या 11,16,36,70,71,89,99

सहायक ग्रंथ

देव और उनकी कविता -नगेंद्र

बिहारी -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

भूषण -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

गिरधर कविराय (ग्रंथावली)- संपा. किशोरी लाल गुप्

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VI

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ15HIN	**हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)**	4

इकाई 1 मैथिलीशरण गुप्त

इकाई 2 जयशंकर प्रसाद

इकाई 3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 4 रामधारी सिंह दिनकर

इकाई 5 सुभद्रा कुमारी चौहान

रचनाएं:

1 मैथिलीशरण गुप्त -यशोधरा (चुने हुए अंश)

सिद्धार्थ

महाभिनिष्क्रमण

सखि वे मुझसे कहकर जाते-----5,6,7,8,9

अब कठोर, हो वज्रादपि.....7,8,9,10,11,12,13,14

मानिनी, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान

दीन न हो गोपी

2 जयशंकर प्रसाद--- उठ उठ रही लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आंखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, हरी वरुणा की भांत कछार, ले चल मुझे भुलावा देकर, अशोक की चिंता।

3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला--संध्या सुंदरी ,बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधो न नाव ,स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला / देखता हूं आ रही मेरे जीवन की सांध्य बेला, दुरित दूर करो नाथ, अशरण हूं गहो हाथ।

4 रामधारी सिंह दिनकर- 'रश्मिरथी' तृतीय सर्ग से कृष्ण कर्ण संवाद ।

5 सुभद्रा कुमारी चौहान - ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो बसंत, मुरझाया फूल ,मेरे पथिक ,झांसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका।

सहायक ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेई
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. पुनर्मूल्यांकन- नगेंद्र
4. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
5. जयशंकर प्रसाद -प्रेमशंकर
6. रामधारी सिंह दिनकर-
7. विजेंद्र नारायण सिंह
8. उतर छायावादी काव्य भाषा- हरिमोहन शर्मा
9. दृष्टपात -राजेंद्र गौतम

RKDF UNIVERSITY RANCHI

BACHELOR OF ARTS IN HINDI

SEMESTER VII

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ16HIN	**हिंदी कविता (छायावाद के बाद)**	4

इकाई 1

क) अज्ञेय: कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला , साम्राज्ञी का नैवेद्यदान ,सांप ----स्रोत :चुनी हुई कविताएं , अज्ञेय ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

ख) नागार्जुन: अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियां, सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम , स्रोत :प्रतिनिधि कविताएं (नागार्जुन) संपा. नामवर सिंह ;राजकमल प्रकाशन दिल्ली

इकाई 2

(क) रघुवीर सहाय: स्वाधीन व्यक्ति, अधिनायक, रामदास, आपकी हंसी,

स्रोत रघुवीर सहाय रचना वली भाग 1,संपा.सुरेश शर्मा राजकमल प्रकाशन दिल्ली

ख) केदारनाथ सिंह: सुई और तागे के बीच में, स्रोत: यहां से देखो, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; पानी की प्रार्थना, समूह गान , बार्लीन की टूटी दीवार को देखकर ,स्रोत: टॉलस्टॉय और साइकिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3

(क) धूमिल: मोची राम, स्रोत :संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

ख) शंभूनाथ सिंह :पगडंडी---स्रोत नवगीत अर्धशती ,पराग प्रकाशन, दिल्ली; देश है हम राजधानी नहीं, पास आना मना दूर जाना मना, मन का आकाश उड़ा जा रहा

स्रोत: वक्त की मीनार पर पराग प्रकाशन दिल्ली

ईकाई 4

क) राजेश जोशी --बच्चे काम पर जा रहे हैं ,मारे जाएंगे, आदमी के बारे में, उसकी गृहस्थी (नेपथ्य में हंसी एवं दो पंक्तियों के बीच से)

(ख) अरुण कमल-- नए इलाके में, उधर के चोर, अपनी केवल धार, देव भाषा।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

सहायक ग्रंथ

1. कविता के नए प्रतिमान- नामवर सिंह
2. नई कविता और अस्तित्ववाद-- रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता-- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ-- परमानंद श्रीवास्तव
5. कविता की जमीन और जमीन की कविता-- नामवर सिंह
6. उत्तर छायावादी काव्य भाषा- हरिमोहन शर्मा
7. सुंदर का स्वप्न-- अपूर्वानंद
8. नई कविता के प्रतिमान-- लक्ष्मीकांत वर्मा
9. छठवां दशक-- विजयदेव नारायण साही

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VII

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ17HIN	**हिन्दी आलोचना**	4

इकाई 1:

हिंदी आलोचना की परंपरा का विकास भारतेंदु युग -बालमुकुंद गुप्त तक

ईकाई 2

द्विवेदी युगीन आलोचना के पाठों का अध्ययन :महावीर प्रसाद द्विवेदी ,आचार्य रामचंद्र शुक्ल काव्य में लोकमंगल ,प्रेमचंद :साहित्य का उद्देश्य

ईकाई 3

छायावाद युगीन आलोचना

प्रसाद: छायावाद और यथार्थवाद, हजारी प्रसाद द्विवेदी -आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएं, नगेंद्र: मेरी साहित्यिक मान्यताएं

ईकाई 4

रामविलास शर्मा -तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य, नामवर सिंह- कहानी: नई और पुरानी ,अज्ञेय, मुक्तिबोध ,नई कविता का आत्म संघर्ष

सहायक ग्रंथ

1. चिंतामणि -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. आस्था के चरण- नगेंद्र
3. कविता के नए प्रतिमान- नामवर सिंह
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन- निर्मला जैन
5. हिंदी आलोचना के बीज शब्द- बच्चन सिंह
6. एक साहित्यिक की डायरी- मुक्तिबोध
7. आलोचना से आगे -सुधीश पचौरी
8. दूसरी परंपरा की खोज- नामवर सिंह
9. हिंदी आलोचना -विश्वनाथ त्रिपाठी
10. आस्था और सौंदर्य- रामविलास शर्मा

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VII

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ18HIN	**हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएं**	4

इकाई 1 निबंध

बालकृष्ण भट्ट- जुबान

बालमुकुंद गुप्त -मेले का ऊंट, राजकमल प्रकाशन 1988

सरदार पूर्ण सिंह- आचरण की सभ्यता ,अध्यापक पूर्ण सिंह निबंधावली ,सं. राम अवध शास्त्री, कंचन पब्लिकेशन 198/58 रमेश मार्केट, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, नई दिल्ली 06 (1993)

रामचंद्र शुक्ल- लोभ और प्रीति, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि

इकाई 2 निबंध

हजारी प्रसाद द्विवेदी- कुटज

विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

हरिशंकर परसाई -वैष्णव की फिसलन

कुबेरनाथ राय -रस आखेटक

इकाई -3 जीवनी /आत्मकथा

पाडे बेचन शर्मा -अपनी खबर आत्माराम एंड संस

रामविलास शर्मा- निराला की साहित्य साधना भाग -1 से "नए संघर्ष'

शीर्षक अध्याय

इकाई 4 संस्मरण/ रेखाचित्र यात्रा -वृतांत

संस्मरण अज्ञेय के साथ- आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री 'हंस बलाका' से

रेखाचित्र:सुभान खां- रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरते, ग्रंथावली से

यात्रा वृतांत- राहुल सांकृत्यायन अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

सहायक ग्रंथ

- हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास -रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी आत्मकथा: सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण- विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य :विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेंदु युग- रामविलास शर्मा

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VII

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ19HIN	हिंदी नाटक एकांकी	4

ईकाई 1

भारत दुर्दशा भारतेंदु

इकाई दो

ध्रुवस्वामिनी जयशंकर प्रसाद

ईकाई 3

बकरी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई 4

दीपदान -रामकुमार वर्मा

स्ट्राइक- भुवनेश्वर

सूखी डाली -उपेंद्रनाथ अश्क

तीन अपाहिज- विपिन कुमार अग्रवाल

सहायक ग्रंथ

1. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना -सत्येंद्र तनेजा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच संपादक -नेमीचंद जैन
3. हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास -सिद्धनाथ कुमार
4. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास- दशरथ ओझा
5. हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम
6. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन -विनोद शाही
7. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना- गोविंद चातक

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VIII

Subject Code	Paper Name	Credit
MJ20HIN	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	4

इकाई 1-

पृथ्वीराज रासो-चंदबरदायी (शशिवृता विवाह/ समय)

अथवा

विद्यापति पदावली (स.रामकुमार राय)प्रकाशक संजय बुक सेंटर ,वाराणसी।

भक्ति विषयक पद- पद सं-0 1से05तक।

श्रृंगार विषयक पद-पद संख्या 13से21तक।

ईकाई 2

सूरदास - भ्रमरगीत सार- संपादक रामचंद्र शुक्ल 50 पद

पद संख्या-

1,3,68,10,13,14,20,23,25,33,34,39,41,45,50,52,62,64,72,76,85,89,92,95,97,100,101,108,1

09,125,130,136,140,141,143,146,155,157,167,168,171,174,190,196,199,307,316,338,,34

इकाई 3

कबीर (संपा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली)

परिशिष्ट 02 से पद संख्या - 160से180 तक।

ईकाई 4

जायसी ग्रंथावली (संपा आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

नागमती वियोग खंड पद संख्या 1 से 19 तक।

ईकाई 5

तुलसीदास- रामचरितमानस- उत्तरकांड अथवा सुंदरकांड, गीता प्रेस गोरखपुर।

अनुशंसित पुस्तकें

1. कबीर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर साहित्य की परख- आ० परशुराम चतुर्वेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. कबीर -सं. डॉ विजेंद्र स्नातक- राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. कबीर :एक नई दृष्टि- डॉ रघुवंश- लोक भारती, इलाहाबाद
5. कबीर ग्रंथावली (सटीक)- डॉ रामकिशोर शर्मा- लोकभारती, इलाहाबाद

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

Subject Code	Paper Name	Credit
RC-01	**रिसर्च मेथाडोलॉजी (शोध विधि)**	12

1 .शोध के आधार: अर्थ, उद्देश्य, प्रेरणा ,उपयोगिता। सिद्धांत की अवधारणा, अनुभवाद, निगमनात्मक और आगमना- त्मक सिद्धांत। वैज्ञानिक पद्धति की विशेषताएं- अनुसंधान की भाषा को समझना, अवधारणा निर्माण, परिभाषा,चर अनुसंधान प्रक्रिया अनुसंधान प्रक्रिया।

2. समस्या की पहचान और सूत्रीकरण -अनुसंधान प्रश्न- जांच प्रश्न - मापन के मुद्दे- परिकल्पना -एक अच्छी परिकल्पना के गुण । अशक्त परिकल्पना और वैकल्पिक परिकल्पना। परिकल्पना परीक्षण तर्क और महत्व।

3. अनुसंधान डिजाइन:

अनुसंधान की अवधारणा और महत्व, एक अच्छी शोध डिजाइन के विशेषताएं, अनवेषनात्मक अनुसंधान डिजाइन-अवधारणा प्रकार और उपयोग, वर्णनात्मक अनुसंधान डिजाइन- अवधारणा प्रकार और उपयोग।

प्रायोगिक डिजाइन : स्वतंत्र और आश्रित चर की अवधारणा।

4. गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान:

गुणात्मक अनुसंधान मात्रात्मक अनुसंधान -माप की अवधारणा ,कारण, सामान्यी करण प्रतिकृति। दो दृष्टिकोणों को मिलाना।

मापन: मापन की अवधारणा- क्या मापा जाता है ?अनुसंधान में मापन में समस्याएं -वैधता और विश्वसनीयता।

माप के स्तर नामात्र, क्रमिक, अंतराल अनुपात।

नमूनाकरण : सांख्यिकीय जनसंख्या की अवधारणा, नमूना ,नमूनाकरण फ्रेम, नमूनाकरण त्रुटि , नमूना आकार गैर प्रतिक्रिया ।एक अच्छे नमूने के लक्षण संभाव्यता नमूना सरल यादृच्छिक नमूना, व्यवस्थित नमूना ,स्त्री कृत यादृच्छिक नमूना और बहु-चरण नमूना करण नमूने का आकार निर्धारित करना नमूना करण और नमूना आकार में व्यावहारिक विचार।

डेटा विश्लेषण :डेटा तैयार करना-

यूनीवैरिएट विश्लेषण (फ्रिकवेंसी टेबल ,बार चार्ट,पाई चार्ट प्रतिशत) बिवेरियट विश्लेषण -क्रास टेबुलेशन और चिकस्क्वेयर टेस्ट जिसमें एसोसिएशन की परिकल्पना का परीक्षण शामिल है।

डेटा और पेपर राइटिंग की व्याख्या-

एक रिसर्च पेपर का लेआउट, कंप्यूटर साइंस में जनरल्स, जनरल्स का इम्पैक्ट फैक्टर, कब और कहां प्रकाशित करें? प्रकाशन, साहित्य चोरी और स्व साहित्यिक चोरी से संबंधित नैतिक मुद्दे

कंप्यूटर साइंस अनुशासन के लिए विश्वकोश ,अनुसंधान मार्गदर्शिकाएं पुस्तिका आदि, अकादमी डेटाबेस का उपयोग।

रिसर्च प्रपोजल

(अनुसंधान प्रस्ताव)

एक शोध प्रस्ताव लिखने की प्रक्रिया

इसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं।

1. शीर्षक
2. परिचय
3. साहित्य की समीक्षा (पृष्ठभूमि और औचित्य)
4. शोध प्रश्न
5. लक्ष्य और उद्देश्य
6. अनुसंधान पद्धति
7. कार्य योजना
8. संदर्भ /ग्रंथ सूची
9. अनुसंधान के लिए उपकरणों तकनीकों का उपयोग: आवश्यक जानकारी को प्रभावी ढंग से खोजने के लिए तरीके, संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर जैसे जोटेरो/ मेंडेली, पेपर फॉर्मेटिंग के लिए सॉफ्टवेयर जैसे La Tex/Ms office साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर।

रिसर्च इंटर्नशिप फील्ड वर्क

समग्र परियोजना कार्य इंटर्नशिप का मूल्यांकन निम्नलिखित शीर्षों के तहत किया जा सकता है विषय

परियोजना शोध प्रबंध डिजाइन के चुनाव के लिए प्रेरणा

कार्यप्रणाली और सामग्री की गहराई

परिणाम और चर्चा

भविष्य का दायरा और संदर्भ

प्रस्तुति शैली, चिरायु स्वर (वाइवा वॉइस)

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

रिसर्च इंटर्नशिप फील्ड वर्क रिपोर्ट---

प्रति छात्रों को संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा विधिवत अग्रेषित शोध प्रबंध कार्य के की दो प्रतियां जमा करनी होंगी अग्रेषित प्रतियां हिंदी विभाग आरके डीएफ विश्वविद्यालय में मूल्यांकन के लिए 7 दिन पहले जमा की जाएगी

(अ) फील्ड वर्क/प्रोजेक्ट से संबंधित क कार्य।

(ब)किए गए कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करना।

(स) हिंदी के स्नातक प्रतिष्ठा मानविकी संकाय आरकेडीएफ विश्वविद्यालय रांची में निर्धारित विषय पर संगोष्ठी में परियोजना।

अनुसंधान रिपोर्ट

एक शोध रिपोर्ट एक आयोजित शोध के बारे में ब्यौरा देने के लिए एक विश्वसनीय स्रोत है। अक्सर शोध की विशेषताओं को हासिल करने के लिए किए गए सभी कार्यों का एक सच्चा प्रमाण माना जाता है अनुसंधान रिपोर्ट गुणों, व्यवहार मैं औपचारिक जांच के परिणाम प्रस्तुत करती है संरचना और सामग्री और वैचारिक संस्थाओं के सिद्धांत।

अनुसंधान ढांचे में लगभग किसी भी भौतिक घटना या अवधारणा की जांच की जा सकती हैं औपचारिक अनुसंधान और अन्य क्रम संरचित प्रकार की पूछताछ के बीच कुछ प्रमुख अंतर निम्नलिखित है।

1 समस्या की परिभाषा--

एक मात्रात्मक उत्तर के साथ एक संकीर्ण प्रश्न के लिए पूछताछ की कठोर कमी शोध। लेखन का सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण प्रभावी समस्या परिभाषा है। यह प्रक्रिया एक दिलचस्प प्रश्न की पहचान करने और शोध जाच को प्रबंधनीय आकार तक सीमित करने में से एक है ।

2. अनुसंधान दृष्टिकोण : एक पद्धति के अनुसार : अनुसंधान की संरचना पूछताछ के एक विशेष क्षेत्र से जुड़ा हुआ है ।विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान है समस्याओं की जांच में अपनाई जाने वाली पद्धतियां। यह सामान्य से लेकर है के लिए अत्यधिक विशिष्ट प्रक्रियाओं के लिए साक्षात्कार और साहित्य शोध के तरीके सामग्री और यांत्रिक उपकरणों का उपयोग डेटा उत्पन्न करने के लिए उपयुक्त परिस्थितियों को स्थापित करने के लिए आपकी समस्या की जांच के लिए एक ठोस पद्धति को अपनाना आपकी जांच के संचालन में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

3. अनुसंधान रिपोर्ट: अनुसंधान की प्रस्तुति और इसके परिणाम एक कठोर स्वरूपित दस्तावेज में जो एक पारंपरिक संरचना का अनुसरण करता है अपने शोध को प्रस्तुत करने में आप सभी तत्वो को एक

केंद्रित, सुसंगत दस्तावेज साथ खींचते हैं । शोध रिपोर्ट में शामिल है उसमें शामिल है

तथ्यों का मानक सेट जिसमें शामिल है।

रेफरेंस बुक्स

1. बिजनेस रिसर्च मैथडस-डोनाल्ड कूपर एंड पामेला सचिन्डलर,टी एमजी एच नवां संस्करण,
2. बिजनेस रिसर्च मैथड्स- एलेन ब ब्रिमन एंड ईमा बेल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
3. रिसर्च मेथाडोलॉजी - सीआर कोठारी

OR

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

Subject Code	Paper Name	Credit
AMJ01HIN	**हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार**	4

ईकाई 1

हिंदी पत्रकारिता परिभाषा, क्षेत्र ,उद्देश्य ,उपयोगिता।

हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास (भारतेंदु युग से अद्यतन)

ईकाई 2

जनसंचार परिभाषा स्वरूप एवं उद्देश्य, श्रव्य माध्यम, दृश्य माध्यम ,,कंप्यूटर एवं इंटरनेट का सामान्य परिचय एवं उपयोगिता।

अनुशंसित पुस्तकें:

1 भारतेंदु युगीन हिंदी पत्रकारिता- डॉ बंशीधर लाल- अनुभव प्रकाशन, कानपुर

2. भारतीय स्वतंत्रता हिंदी पत्रकारिता -डॉ बंशीधर लाल बिहार ग्रंथ कुटीर, पटना

3. पत्रकारिता के विविध संदर्भ -डॉ बंशीधर लाल अनुपम प्रकाशन, पटना

4. हिंदी पत्रकारिता -पंडित कृष्ण बिहारी मिश्र -गंगा पुस्तक माला ,लखनऊ

5. संपूर्ण पत्रकारिता इतिहास निर्माता पत्रकार -डॉ अर्जुन तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

Subject Code	Paper Name	Credit
AMJ02HIN	साहित्यिक विमर्श	4

ईकाई 1

हिंदी अस्मिता केंद्रित विमर्श का स्वरूप, अस्मिता केंद्रित विमर्श की अनिवार्यता, हिंदी साहित्य में नारी विमर्श, हिंदी में दलित विमर्श हिंदी में जनजातीय विमर्श, बाल विमर्श ,वृद्ध विमर्श ,विकलांग विमर्श और किन्नर विमर्श ।

इकाई 2

अस्मिता केंद्रित निर्धारित आत्मकथाएं

एक कहानी यह भी -मन्नू भंडारी

मुर्दहिया (तुलसीराम)

अनुशंसित पुस्तकें

1. स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास -रमणिका गुप्ता
2. स्त्री विमर्श की उत्तरगाथा- डॉ अनामिका
3. आदिवासी अस्मिता का संकट- रमणिका गुप्ता
4. विमर्श के प्रसंग -डॉ संपदा पांडे
5. दलित साहित्य अनुभव संघर्ष एवं यथार्थ -डॉ ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास -संजय गर्ग (सं.)

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI

Subject Code	Paper Name	Credit
AMJ03HIN	**भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत**	4

इकाई 1

नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्य तत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य),नाटक और रंगमंच का अंत:सबंध, दृश्य औरश्रव्य तत्वों का समायोजन तथा नाट्या नुभूति और रंगानुभूति

इकाई 2

रंगकर्म: नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्व कर्म ,नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस -सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन- सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई 3

पश्चिमी नाट्य भेद- त्रासदी,कामदी , मेलोड्रामा एवं फार्स(सामान्य परिचय), नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस सिद्धांत एवं अरस्तु के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन।

इकाई 4

प्राचीन भारतीय नाट्य रूप- रूपक उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय) , आधुनिक भारतीय नाट्य रूप-एकांकी, काव्य नाटक, रेडियो नाटक एवं नुक्कड़ नाटक ,टेली फिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय) ।

सहायक ग्रंथ

1. रंगमंच- बलवंत गार्गी
2. रंगमंच कला और दृष्टि -गोविंद चातक
3. रंगदर्शन -नेमीचंद जैन
4. रंगमंच देखना और जानना- लक्ष्मी नारायण लाल
5. भारत और भारतीय नाट्य कला -सुरेंद्रनाथ दीक्षित
6. रंगकर्म -वीरेंद्र नारायण
7. नाट्यशास्त्र विश्वकोश- राधावल्लभ त्रिपाठी

RKDF UNIVERSITY RANCHI

BACHELOR OF ARTS IN HINDI

MINOR

Semester I/ III/ V/ VII

SEMESTER I

Subject Code	Paper Name	Credit
MN01HIN	**बाल साहित्य**	4

ईकाई 1

बाल साहित्य का स्वरूप और विकास, बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप, हिंदी बाल साहित्य का उद्भव एवं विकास, हिंदी बाल पत्रकारिता:एक नजर

बाल साहित्य बाल रचनाकारों की भूमिका।

ईकाई -2

बाल केंद्र हिंदी कथा साहित्य

कहानियां

प्रेमचंद- गुल्ली डंडा

नलिन विलोचन शर्मा विष के दांत।

जैनेंद्र कुमार अपना- अपना भाग्य

मार्कंडेय पानफूल

हरीकृष्ण देवसरे-मैं पढ़ नहीं सका।

प्रकाश मनु -जादू

मृदुला गर्ग-बाल गुरू

अलका सरावगी -कभी शैतानी न करने वाला लड़का।

ईकाई -3

बाल केंद्रित हिंदी कविताएं

सोहनलाल द्विवेदी-1क्यों (2) कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

सुभद्रा कुमारी चौहान- मेरा बचपन।

रामधारी सिंह दिनकर- चांद का कुर्ता, किसको नमन करूं मैं भारत।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - बतूता का जूता नेता और गधा।

सुमित्रानंदन पंत- ग्राम श्री।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी बाल साहित्य का इतिहास, प्रकाश मनु प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 2019
2. बाल साहित्य मेरा चिंतन डॉक्टर हरिकृष्ण देवसरे मेधा बुक्स दिल्ली, 2000
3. श्रेष्ठ बाल कहानियां बाल शोरी रेडी ,भारतीय भाषा परिषद कोलकाता1993
4. साहित्य अमृत पत्रिका बाल साहित्य विशेषांक अप्रैल 2012
5. बाल साहित्य 21वीं सदी में, जयप्रकाश भारती अभिरुचि प्रकाशन।
6. बालगीत साहित्य: इतिहास और समीक्षा: निरंकार देव सेवक उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ।

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER III

Subject Code	Paper Name	Credit
MN03HIN	अनुवाद :व्यवहार और सिद्धांत	4

भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद

अनुवाद का स्वरूप और प्रकार

अनुवाद के उपकरण कोश- ग्रंथ

अनुवाद प्रक्रिया

ईकाई 2

प्रयुक्ति की अवधारणा; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र

विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएं।

विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

अनुवाद की व्यवसायिक संभावनाएं।

ईकाई 3

अनुवाद व्यवहार 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

इकाई 4 (अंग्रेजी से हिंदी हिंदी से अंग्रेजी)

जनसंचार, प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, विधि अनुवाद

अनुशंसित पुस्तकें

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत-
2. कैटफोड, जे सी सिद्धांत (अनुवाद रवि शंकर दीक्षित)
3. मध्यप्रदेश प्रदेश ग्रंथ अकादमी ,भोपाल
4. अनुवाद के सिद्धांत-रेडडी आरआर (अनुवाद डॉक्टर जे एल रेडडी)
5. अनुवाद -सिद्धांत और प्रयोग- गोपीनाथन जी लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER V

Subject Code	Paper Name	Credit
MN05HIN	**हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा**	4

इकाई 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध साहित्य के विविध रूप-लोक गीत, लोक कथा ,लोक गाथाएं ,लोक नाट्य, लोकोक्तियां, पहेलियां, बुझौ वल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियां और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज।

इकाई 2

लोकगीत वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत: सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी: भोजपुरी संस्कार गीत -श्री हंस कुमार तिवारी -बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पृष्ठ संख्या 8 गीत संख्या 4

सोहर अवधि हिंदी प्रदेश के लोकगीत कृष्ण देव उपाध्याय पृष्ठ 110,111 (साहित्य भवन इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत- भारतीय लोक साहित्य ;परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88,89

विवाह-भोजपुरी -भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116

ऋतु संबंधी गीत बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

हिंदी प्रदेश के लोकगीत कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 205

हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य :शंकर लाल यादव पृष्ठ 231

वाचिक कविता: भोजपुरी: पंडित विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ 51

श्रम संबंधी गीत: कटनी, जंतसर,दंवनी, रोपनी, इत्यादि।

इकाई 3

लोक कथाएं एवं लोक गाथाएं

विद्या का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोक कथाओं एवं लोक गाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा, सदावृक्ष बिहुला,

राजस्थानी लोक कथा नंबर-2, हिंदी साहित्य का बह बृहत इतिहास ,पंडित राहुल सांकृत्यायन पृष्ठ 10,11

16 वहां भाग।

मालवी लोक कथा नंबर 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृष्ठ 461-462

अवधी लोककथा नंबर 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास ,पंडित राहुल सांकृत्यायन ,पृष्ठ 461-462

अवधी लोककथा नंबर 2 हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास पंडित राहुल सांकृत्यायन पृष्ठ 187-188

ईकाई 4: लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियां, रामलीला, रासलीला, मालवा, का नाच, राजस्थान का ख्याल ,उत्तर प्रदेश की नौटंकी ,भांड ,रासलीला; बिहार -विदेशिया; हरियाणा सांग (क)पाठ :संक्षिप्त पद्मावत सॉग, रागिनी संख्या 1,3, 6, 7 ,8 ,13, 14, 17, 18 ,19(लख्मीचंद ग्रंथावली संपादक प्रो. पूरन शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, (ख)विदेशिया: भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत कृष्ण देव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य शंकर लाल यादव
3. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन -श्याम परमार
4. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास पंडित राहुल सांकृत्यायन 16 वां भाग
5. वाचिक कविता: भोजपुरी- पंडित विद्यानिवास मिश्र
6. भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य -विद्या सिंहा
7. कविता कौमुदी : ग्राम गीत- पंडित राम नरेश त्रिपाठी

RKDF UNIVERSITY RANCHI
BACHELOR OF ARTS IN HINDI
SEMESTER VII

Subject Code	Paper Name	Credit
MN07HIN	**अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य**	4

ईकाई 1: विमर्शों की सैद्धांतिकी

(के) दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन, फुले और अंबेडकर

(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) रैडिकल, मार्क्सवादी ,उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

ग) आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

ईकाई 2: विमर्श मुलक कथा साहित्य:

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि- सलाम,
2. हरिराम मीणा -धूनी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167
3. नासिरा शर्मा- खुदा की वापसी

इकाई 3: विमर्श मूलक कविता:

क) दलित कविता: अछूतानंद (दलित कहां तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा)

माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

ख) स्त्री कविता: कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा, 2. कात्यायनी: सात भाइयों के बीच चंपा

3 सविता सिंह: 'मैं किसकी औरत हूं?'

ईकाई 4 :विमर्श मुलक अन्य गद्य विधाएं :

1. प्रभा खेतान ,पृष्ठ 28-42 अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ ;पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा :'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र का प्रश्न'

सहायक ग्रंथ:

1. सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता
2. गुलामगिरी -ज्योतिबा फुले
3. अंबेडकर रचना वली -भाग -1
4. प्रभा खेतान -उपनिवेश में स्त्री
5. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा सुधा सिंह।
6. मूक नायक, बहिष्कृत भारत- अंबेडकर

7. शिकंजे का दर्द सुशीला टांक भोरे
8. जूठन -ओमप्रकाश वाल्मीकि
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -ओमप्रकाश बाल्मीकि
10. नारीवादी राजनीति- जिनी निवेदिता
11. दलित आंदोलन का इतिहास- मोहनदास नैमिशराय

****